मिसल मुकदमा प्रार्थनापत्र अंतरण पत्रावली संख्या 14/18 सन

क्रमांक	कार्यवाहिक विवरण	हस्ताक्षर पार्टी तथा सूचनाएं जारी की गई
	2-5-19 अभि. प्रार्थी उप./ अप्रार्थी सं. 2,4,8 के अभि. उप./ राज. अभि. उप./ शेष अप्रार्थीगण अनुप./ अप्रार्थी सं. 2,4,8 के अभि. जवाब पेश करने हेतु अवसर चाहते हैं। अतः पत्रा. वास्ते जवाब व बहस हेतु पत्रा. दि. 4-7-19 को पेश हो। 4-7-19 अभि. प्रार्थी उप./ अप्रार्थी सं. 2,4,8 के अभि. उप./ राज. अभि. उप./ शेष अप्रार्थीगण अनुप./ अभि. अप्रार्थी सं. 2,4,8 जवाब पेश करने हेतु अवसर चाहते हैं। अंतिम अवसर दिया जाता है। अतः पत्रा. वास्ते जवाब व बहस हेतु पत्रा. दि. 5-8-19 को पेश हो। 5-8-19 अभि. प्रार्थी व प्रार्थी अनुप./ अप्रार्थी अभि. उप./ अप्रार्थी अभि. ने जाहिर किया है कि यह अन्तरण प्रा. पत्र उपखण्ड अधिकारी देवगढ़ में विचाराधीन प्रकरण के संबंध में तत्कालीन पीठासीन अधिकारी के विरुद्ध आक्षेप लगाकर पेश किया है। उपखण्ड अधिकारी देवगढ़ का प्रार्थना पत्र प्रस्तुती के बाद स्थानान्तरण हो चुका है नये उपखण्ड अधिकारी का पद स्थापन हो चुका है इस लिये	

यह प्रार्थना पत्र निष्प्रभावी हो चुका है
इसे चलाने का कोई औचित्य नहीं है
सुना गया। पत्रावली का अवलोकन
किया गया। [illegible] दावा दि. 20-7-2018
को यह अन्तरिम प्रा.पत्र पेश किया है। प्रा.पत्र
पेश करने के उपरान्त 500 [illegible] का
स्थानान्तरण हो चुका है ऐसी स्थिति में
उक्त अन्तरिम प्रा.पत्र की सुनवाई
करने की कोई औचित्य प्रतीत नहीं
होता है। प्रार्थी स्वयं भी एवं उनके
अधि. उपस्थित नहीं हुए है। जिससे भी
यह प्रमाणित है कि प्रार्थी उक्त प्रकरण
को नहीं चलाना चाहता है।

अतः प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रा.पत्र
उपरोक्त विवेचनानुसार निष्प्रभावी
होने से खारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार [illegible]
दर्ज रजिस्टर नं. से ~~[illegible]~~
दाखिल दफ्तर हो।